राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–156/2026

देशभक्ति को सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ें– राज्यपाल

पटना 15 अगस्त, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने कहा कि देशभक्ति केवल गीतों, नारों और उत्सवों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे सेवा, स्वच्छता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण के रूप में अपने जीवन में उतारना चाहिए।

राज्यपाल आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिहार विधान सभा सभागार, पटना में आयोजित देशभक्ति गीत प्रतियोगिता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विधान सभा अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम लोगों, खासकर युवाओं में देशप्रेम और राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

देशभक्ति गीतों और फिल्मों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने *शहीद* और *हकीकत* जैसी फिल्मों तथा उनके प्रेरणादायी गीतों को याद किया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति संगीत मन में राष्ट्र के प्रति गर्व और भावनाओं को मजबूत करता है।

सेना में अपने अनुभव साझा करते हुए राज्यपाल ने बताया कि सशस्त्र सेनाओं में देशभक्ति को अलग–अलग तरीकों से व्यक्त किया जाता है। ऊँची पर्वत चोटियों पर तिरंगा फहराना, सामाजिक सेवा करना और जरूरतमंदों की मदद करना भी देशभक्ति की मजबूत अभिव्यक्ति है।

वर्ष 1995 की एक घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि सियाचिन से लौटते समय उनकी यूनिट को सांबा में ट्रेन के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ा। स्वतंत्रता दिवस पर केवल ध्वजारोहण और उत्सव मनाने के बजाय जवानों ने रेलवे स्टेशन की सफाई करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति का असली अर्थ है राष्ट्र के लिए कुछ सकारात्मक और उपयोगी करना।

आगे पृष्ठ 2 पर.....

राज्यपाल ने स्वच्छ भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती जैसे अवसरों पर हमें अपने आसपास की सफाई और सामाजिक सेवा के कार्य जरूर करने चाहिए। उन्होंने बिहार में चल रहे टीबी–मुक्त बिहार अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि समाज की सेवा करना भी देशभक्ति है।

बिहार के गौरवशाली योगदान को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और देश की रक्षा में भी राज्य के वीर जवानों का बड़ा योगदान है। उन्होंने 16 जून, 2020 के गलवान संघर्ष का उल्लेख करते हुए 16 बिहार रेजिमेंट के जवानों की वीरता और सर्वोच्च बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि हर बिहारी को अपने वीर जवानों के साहस और बलिदान पर गर्व होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि हमें अपने बच्चों को देशभक्ति, वीरता और बलिदान की कहानियाँ जरूर सुनानी चाहिए, ताकि उनमें बचपन से ही राष्ट्र के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो।

.....